

**SHRI RAM JETHMALANI:** Sir, the Law Commission, in its 120th report, amongst its other suggestions, has incorporated this suggestion as well, that we should abolish this system of candidates contesting elections from more than one constituency. The Law Commission's report is under the active consideration of the Government. Sir, we will certainly consult all the political parties and bring forward a comprehensive electoral reforms Bill which is also a part of the pledge which we have made in the President's Address.

**श्री मोहम्मद सलीम:** सभापति महोदय, चाहे ये मंत्री हों, चाहे दूसरे मंत्री हों, उनकी रिस्पॉन्सिबिलिटी कलेक्टिव होती है। आए दिन उनके स्टेटमेंट्स निकलते हैं, प्रॉमिसेज़ निकलते हैं। बाद में सदस्य यहां सवाल पूछते हैं, उसमें समय लगता है, पैसा लगता है और हमारी एनर्जी लगती है। उसके बाद अगर यह कहा जाए कि on inquiry it was found that मंत्री जी ने ऐसा स्टेटमेंट नहीं दिया। यह केवल इस पर्टिकुलर सवाल के बारे में नहीं है। पार्लियामेंट में हम आएंगे, सप्लीमेंटरी होगा, उसके बाद यह रिप्लाय मिलेगा तो इससे अच्छा है कि जब इतने मंत्री हैं और इतने स्टेटमेंट्स आते हैं, इतने प्रॉमिसेज़ किए जाते हैं तो क्यों नहीं आप ऐसा कोई डिपार्टमेंट खोल लें या किसी डिपार्टमेंट को जिम्मेदारी दे दें कि रोजाना वह मॉनिटर करे मीडिया को, न्यूज़पेपर्स को और इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स को और मंत्री लोगों का डिनायल अगले दिन निकल जाए कि सरकार ने इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। अबसर देखा जाता है कि एन०डी०ए० में फैसला नहीं हुआ, कैबिनेट में फैसला नहीं हुआ लेकिन मंत्री महोदय ने ऐलान कर दिया—कभी डिफेंस रिलेटेड और कभी किसी दूसरे विषय से रिलेटेड। रोजाना ऐसे स्टेटमेंट्स आ रहे हैं और फिर प्रधानमंत्री जी को भी झमेले में पड़ना पड़ रहा है। नन मिनिस्टर्स भी हैं जो ऐसे ऐलान कर देते हैं गवर्नमेंट पालिसी के। सभापति महोदय, परिवार बहुत बड़ा है। इसलिए आप परिवार के अंदर कहीं खंडन के लिए कोई ऐसा विभाग खोलेंगे जो रोज के रोज बोल दे, खंडन कर दे ताकि दूसरे दिन हंगामा न हो, झमेला न हो और सवाल न उठे?

**MR. CHAIRMAN:** It is a suggestion by the hon. Member that there should be a Minister for clarifications. It is for the Government to decide and not the hon. Minister.

### Road Links to Buddhist Places in Uttar Pradesh

\*326. **SHRI RAJNATH SINGH 'SURYA':** Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether some roads connecting Buddhist centres in U.P. are being constructed from external assistance;

(b) if so, whether the road between Faizabad and Allahabad is also covered in it;

(c) if so, whether it has been completed particularly between Sultanpur-Allahabad; and

(d) if not, when it is going to be completed?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJ-NATH SINGH); (a) No, Sir.

(b) to (d) Does not arise.

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य": सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने प्रश्न का उत्तर देते समय यह कहा है कि इसका प्रश्न नहीं उठता। क्या इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं है? सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी को यह जानकारी अवश्य होगी कि उत्तर प्रदेश में सारनाथ से लेकर कोसीनगर-श्रावस्ती होते हुए लखनऊ तक एक बौद्ध परिपथ बना था जिसको जापानी सहायता से बनाया गया था। आज उसकी स्थिति बड़ी दयनीय है और उसका रख-रखाव ठीक प्रकार से नहीं हो रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में परिपथ को कौशाम्बी तक जोड़ने का प्रश्न उठा क्योंकि बौद्धकालीन इतिहास के हिसाब से कौशाम्बी भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। सभापति महोदय, जिस तरह से अजंता और एलोरा के लिए जापानी सहायता से प्रयत्न हो रहा है, क्या उस प्रकार का कोई प्रयास मंत्री जी करेंगे ताकि जो विदेशी सहायता जापान से बौद्ध परिपथ के रूप में या बौद्ध तीर्थस्थलों के विकास के रूप में उनको एक दूसरे से जोड़ने के बारे में प्राप्त हो रही है.... यह जो गौतम बुद्ध से जुड़े हुए महत्वपूर्ण स्थल हैं इनके विकास के लिए, इनके मार्ग निर्माण के लिए भी इनका उपयोग हो सके, इस प्रकार का कोई प्रयत्न करेंगे?

श्री राजनाथ सिंह: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है उसमें यह जानना चाहते हैं कि बुद्धिष्ठ सेंटर को जोड़ने के लिए यदि कुछ सड़कों का निर्माण हो रहा है तो क्या किसी बाहरी सहायता के द्वारा उसका निर्माण हो रहा है या नहीं तथा ऐंट प्रजेंट उन्होंने जानना चाहा है कि वर्तमान स्थिति क्या है। इसलिए मैंने कहा कि यह प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि इस समय बुद्धिष्ठ सेंटर को जोड़ने के लिए विदेशी सहायता से किसी सड़क का निर्माण नहीं हो रहा है। यह सच है कि 1988 में ओ०ई०सी०एफ० के साथ एक रोड एग्रीमेंट हुआ था और जितने भी नेशनल हाईवेज लिए गए थे, जितनी भी रोड ली गई थी वह सारी रोड दिसम्बर, 98 में कम्पलीट हो चुकी हैं। यदि माननीय सदस्य, जानना चाहेंगे तो मैं यह भी बतला सकता हूँ कि कौन-कौन से नेशनल हाईवेज का कंस्ट्रक्शन बजट एलोकेशन के द्वारा, बजट एलोकेशन जो डिपार्टमेंट से होता है उसके फंड के द्वारा और ओ०ई०सी०एफ० के द्वारा निर्मित हुई है। लेकिन जिस पथ के निर्माण के बारे में माननीय सदस्य ने कहा है, श्रीमन् बुद्धिष्ठ सेंटर के डेवलपमेंट का काम ट्रस्ट

डिपार्टमेंट करता है। सरफेज डिपार्टमेंट नहीं करता है, यह मैंने माननीय सदस्य की जानकारी में लाना चाहता हूँ।

**श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य':** मान्यवर, मंत्री जी ने जैसा यह कहा है कि अभी इस समय इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं है इसका उन्होंने उत्तर दिया है और यह भी कहा है कि टूरिस्ट स्पॉट को जोड़ने का काम पर्यटन मंत्रालय करता है। परन्तु जहां तक मेरा अपना विचार है जो सड़कों का निर्माण का कार्य है वह तो संभवतः सरफेज ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ही करता होगा। क्या माननीय मंत्री जी पर्यटन मंत्रालय का इस कार्य में सहयोग प्राप्त करेंगे, उनके सुझाव प्राप्त करेंगे और यह जो स्थान, जिसका मैंने सुझाव दिया, अगर भविष्य में कोई योजना आती है तो उसके साथ इसको जोड़ने पर विचार करेंगे?

**श्री राजनाथ सिंह:** श्रीमन् निश्चित रूप से हम चाहेंगे कि जो हमारे देश के बुद्धि सेंटर हैं, उन बुद्धि सेंटर का विकास हो, वहां पर जितना अधिक इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट हो सकता है, वह भी हो। श्रीमन् माननीय सदस्य ने यह भी जानना चाहा है कि सुलतानपुर-इलाहाबाद रोड का कंस्ट्रक्शन हो रहा है या नहीं हो रहा है। तो सुलतानपुर-इलाहाबाद मार्ग यह फैजाबाद-इलाहाबाद मार्ग का ही एक हिस्सा है जो कि नेशनल हाईवे के अंतर्गत नहीं आता है वह स्टेट हाईवे के अंतर्गत आता है इसलिए स्टेट गवर्नमेंट ही उस रोड के कंस्ट्रक्शन के लिए रेस्पॉसिबिल है।

**प्रो० रामगोपाल यादव:** श्रीमन् यह सच है कि जो प्रश्न है वह राज्य के पी०डब्ल्यू०डी विभाग और परिवहन मंत्रालय से संबंधित है। लेकिन माननीय मंत्री जी ने प्रश्न के जवाब में जो बुद्धि सेंटर के इंफ्रास्ट्रक्चरल और अन्य डवलपमेंट कार्यों की बात की है, इस संदर्भ में मैं यह जानना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद जनपद में एक संधिसा नाम की जगह है जो बहुत ही प्रोमिनेंट बुद्धि सेंटर है और किसी भी सरकार ने अभी तक उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया है जबकि इंडोनेसिया से, बर्मा से, तिब्बत से और स्वयं हिन्दुस्तान के तमाम हिस्सों से लाखों की तादाद में लोग हर वर्ष वहां जाते हैं। वहां तक जाने के लिए अभी सही तरीके से ऐसी सड़कें भी नहीं हैं, जिन पर ठीक तरह से लोग अपनी छोटी-छोटी गाड़ियों को ले जा सकें। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस सेंटर के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार को इस तरह का, निर्देश देने की तो मैं बात नहीं करूंगा, लेकिन यह सुझाव दूंगा कि सरकार संधिसा जाने के लिए सड़क को बनाने का कोई कार्य करे यह कोई इंफ्रास्ट्रक्चरल सुविधाएं जो टूरिस्ट के लिए जरूरी होती है, उनकी व्यवस्था करे।

**श्री राजनाथ सिंह:** सभापति महोदय, माननीय सदस्य प्रो० रामगोपाल यादव जी ने संकिशा बौद्ध सेंटर की बात कही है। उन्होंने यह कहा है कि लाखों की संख्या में फॉरेन टूरिस्ट वहां पर आते हैं। वहां पर फॉरेन के टूरिस्ट लाखों की संख्या में नहीं आते हैं, दोनों को मिलाकर हो जाते होंगे। फॉरेन टूरिस्ट की संख्या अनुमानतः दो हजार, ढाई हजार, तीन हजार तक होती है, जो उस

सेंटर पर आते हैं। लेकिन यह एक बहुत महत्वपूर्ण बौद्ध सेंटर है, इसे मैं मानता हूँ और निश्चित रूप से वहाँ के विकास के संबंध में मैं राज्य सरकार को लिखूंगा।

**श्री दारा सिंह चौहान:** सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि कुशीनगर से लेकर के सारनाथ तक जो रोड पथ है वह बहुत ही महत्वपूर्ण है और उसकी दूरी लगभग 260 किलोमीटर है और गोरखपुर से लेकर के आजमगढ़ तक की दूरी लगभग 100 किलोमीटर है। यह रोड बहुत खराब है। कुछ दिन पहले ही यह बनी थी। लेकिन इस समय आप जाकर देखेंगे तो उस रास्ते की हालत बहुत ही जर्जर है। मैं जानना चाहता हूँ कि आखिर इसका कारण क्या है? इतनी जल्दी यह सड़क खराब क्यों हो गई है? यह बहुत ही महत्वपूर्ण सड़क है। कुशीनगर से लेकर सारनाथ तक बहुत ही महत्वपूर्ण बौद्ध-स्थल है और गोरखपुर से लेकर आजमगढ़ तक जो सड़क जाती है वह भी बहुत खराब है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या इन सड़कों को ठीक से बनवाने के लिए उनका विभाग कोई कदम शीघ्र उठायेगा?

**श्री राजनाथ सिंह:** सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जिन रोड्स की तरफ ध्यान आकर्षित किया है, उन रोड्स के बारे में मैं जानकारी प्राप्त करूंगा कि क्या वह नेशनल हाईवे की रोड्स हैं अथवा नहीं। यदि नेशनल हाईवे की वह रोड्स होंगी तो निश्चित रूप से उन रोड्स के निर्माण की व्यवस्था की जाएगी। लेकिन यदि स्टेट हाईवे की वह रोड्स होंगी, चूंकि मैं उत्तर प्रदेश से आता हूँ इसलिए मैं उत्तर प्रदेश सरकार को लिखूंगा कि शीघ्र अति शीघ्र उन खराब सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करवाये।

**MISS SAROJ KHAPARDE:** Sir, I would like to know from the hon. Minister as to what is the progress of the ongoing road construction project of the Central Government in Maharashtra.

**SHRI RAJNATH SINGH:** Sir, this question does not relate to the original question.

**श्री गांधी आजाद:** सभापति महोदय, बौद्ध केन्द्र स्थल इलाहाबाद, कुशीनगर और सारनाथ में हैं। इलाहाबाद और कुशीनगर के बीच में आजमगढ़ स्थित है। यहाँ की सड़कें बहुत खराब हैं। मंत्री महोदय के जवाब में लिखा है कि विदेशी सहायता से किसी सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो रहा है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या देशी सहायता से इस सड़क का निर्माण कार्य करने की आपकी कोई योजना है?

**श्री राजनाथ सिंह:** सभापति महोदय, माननीय सदस्य के इस सुझाव का मैंने संज्ञान लिया है। मैं इसको देखूंगा, लेकिन यदि वहाँ की सड़कों की हालत बदतर है तो यह आवश्यक नहीं है कि उसका विदेशी सहायता से ही निर्माण कार्य हो। जो बजट एलोकेशन डिपार्टमेंट का होता है, बजट के फंड के द्वारा ही सड़क का निर्माण करा सकते हैं।

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, अभी थोड़ी देर पहले पर्यटक मंत्री महोदय ने प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह कहा था कि हमारे अपने कोई हाथ-पैर नहीं हैं, हम तो सड़क मंत्रालय, वायु मंत्रालय और रेल मंत्रालय की ओर देखते हैं।...

सभापति: आप अपना सवाल कीजिए नहीं तो समय खत्म हो जाएगा।

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के और बिहार के जितने बौद्ध तीर्थ-स्थल हैं वहां पर सबसे ज्यादा तीर्थ-यात्री पर्यटक विश्वभर से आते हैं। अगर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध का हिसाब लगाया जाय तो बहुत लोग वहां पर आते हैं और उन्हीं से ज्यादा आमदनी होती है। इसीलिए इन पर्यटक-स्थलों का विकास करने के लिए सड़कों को बनाया जाना बहुत आवश्यक है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि वे इस दिशा में क्या कदम उठाएंगे।

श्री राजनाथ सिंह: सभापति महोदय, माननीय सदस्य के सुझाव से मैं सहमत हूँ। उन मार्गों का निर्माण निश्चित रूप से होना चाहिए। जैसा माननीय सदस्य ने कहा है कि टूरिस्ट डिपार्टमेंट के पास अपने हाथ-पैर, आंख, कान नहीं है, वे दूसरों की ओर देखते हैं तो महोदय, मैं माननीय सदस्य को आश्वासन करना चाहता हूँ कि जो भी मेरी ओर देखेगा, मैं उसको निराश नहीं करूंगा।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

### Settlement of Sardar Sarovar Narmada Dam Issue

\*327. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hon'ble Prime Minister had announced in Gujarat that the "SARDAR SAROVAR NARMADA DAM" issue will be resolved soon after the Elections, the way he had resolved "Cauvery Water dispute"; and

(b) if so, the initiative taken/proposed to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (DR. C.P. THAKUR): (a) and (b) The Government is taking all necessary steps to resolve the issues and remove the bottlenecks in smooth implementation of Sardar Sarovar Project. The Project has also been included for Central Loan Assistance under the Accelerated Irriga-